

भारत का राजपत्र **The Gazette of India**

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. २५] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी ६, १९७१/माघ १७, १९९२

No. 25 NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 6, 1971/MAGHA 17, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 6th February 1971

G.S.R. 187.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Water Engineering (Class I) Service Rules, 1965, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Water Engineering (Class I) Service (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Water Engineering (Class I) Service Rules, 1965, for rule 22, the following rule shall be substituted, namely:—

“22. *Disqualification for Appointment.*—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the Service:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule."

[No. 37/71—F. 39/2/71-Adm. I.]

सिवाई जी० बिद्युत् मंत्रालय

अधिसूचनाएँ

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1971

जी० एस० आर० 187.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा केन्द्रीय जल इन्जीनियरी (श्रेणी-I) सेवा नियमावली, 1965 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम और बताते हैं ; वामशः

1. (1) इन नियमों को केन्द्रीय जल इन्जीनियरी (श्रेणी-I) सेवा (संशोधन) नियमावली, 1971 कहा जाए।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. केन्द्रीय जल इन्जीनियरी (श्रेणी-I) सेवा नियमावली, 1965 में, नियम 22 की बजाए निम्नलिखित नियम रखा जाए :

"22. नियुक्ति के लिए अनर्हता :—कोई भी व्यक्ति—

- (क) जिसने उस व्यक्ति के साथ विवाह किया हो जिसका पति/पत्नी जीवित हो, अथवा
- (ख) जिसने, अपने पति/पत्नी के जीवित रहते, किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाह कर लिया हो या विवाह करने का अनुबन्ध किया हो,

सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा; परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट हो जाए कि यह विवाह उस व्यक्ति तथा विवाह से संबद्ध दूसरे व्यक्ति को लागू व्यक्तिगत कानून के अन्तर्गत अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी भी ऐसे व्यक्ति को इस नियम के प्रभाव से मुक्त कर सकती है।"

[संख्या 37/71—एफ० 39/2/71—प्रशासन-I]

G.S.R. 188.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Power Engineering (Class I) Service Rules, 1965, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Power Engineering (Class I) Service (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Power Engineering (Class I) Service Rules, 1965, for rule 22, the following rule shall be substituted, namely:—

“22. Disqualification for Appointment.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the Service;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.”

[No. 36/71—F. 39/2/71-Adm. I.]

G. K. DOGRA, Dy. Secy.

जी०एस०आर० 188.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा केन्द्रीय विद्युत् इन्जीनियरी (श्रेणी-1) सेवा नियमावली, 1965 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम और बनाते हैं; नामश निम्नलिखित :

1. (1) इन नियमों को केन्द्रीय विद्युत् इन्जीनियरी (श्रेणी-1) सेवा (संशोधन) नियमावली, 1971 कहा जाए ।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे ।

2. केन्द्रीय विद्युत् इन्जीनियरी (श्रेणी-1) सेवा नियमावली, 1965 में, नियम 22 की बजाए निम्नलिखित नियम रखा जाए :

“22. नियुक्ति के लिए अनर्हता :—कोई भी व्यक्ति—

(क) जिसने उस व्यक्ति के साथ विवाह किया हो जिसका पति/पत्नी जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने, अपने पति/पत्नी के जीवित रहते, किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाह कर लिया हो या विवाह करने का अनबन्ध किया हो, सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा ;

परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट हो जाय कि वह विवाह उस व्यक्ति तथा विवाह के संबंध दूसरे व्यक्ति को लागू व्यक्तिगत कानून के अन्तर्गत अनुचित है और ऐसा करने के लिए अन्य बाधक है तो वह किसी भी ऐसे व्यक्ति को इस नियम के प्रभाव से मुक्त कर सकती है।”

[संख्या 36/71—एफ० 39/2/71—प्रशासन—I]

गोपाल कृष्ण डोगरा, उप सचिव ।